KHADI SUB-COMMITTEE

*567. **Shri Krishnacharya Joshi:** Will the Minister of **Works, Housing and Supply** be pleased to state:

(a) whether the Khadi Sub-Committee appointed by Government has submitted any proposals to increase the use of Khadi by the Central Government Departments; and

(b) if so, the main proposals thereof?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Works, Housing and Supply (Shri P. S. Naskar): (a) Yes, Sir.

(b) These proposals include the preparation of specifications for Khadi materials, fixation of tolerance limits, periodical survey of production centres to give technical advice for improving quality, standardisation of packing, and fixation of a target for Government purchases based upon figures of guaranteed supply furnished by the All India Khadi and Village Industries Board.

Shri Krishnacharya Joshi: May I know what was the amount of khadi purchased in 1954-55 and in 1955-56?

Shri P. S. Naskar: In 1954-55 khadi was purchased to the extent of Rs. 28·78 lakhs and in 1955-56 during the ten months from 1st April, 1955 to the 31st January, 1956 to the extent of Rs. 87·57 lakhs.

Shri Krishnacharya Joshi: May I know whether the State Governments are going to adopt this scheme?

Shri P. S. Naskar: It is for the State Governments to take a decision.

Shri Dabhi: May I know the figures of purchase of the other cloth during 1954-55 and the current year?

Shri P. S. Naskar: I require notice for that question.

सेठ गोविन्द दास : जितने विभाग अभी तक सरकार के खादी खरीद रहे हैं, उनके सिवाय क्या कोई और भी ऐसे विभाग हैं जिनमें खादी खरीदने का प्रस्ताव सरकार के सामने है?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : जी हां, हैं।

सेठ गोविन्द दास : वे कौन से विभाग हैं?

सरदार स्वर्ण सिंह : इसके लिये नोटिस की ज़रूरत है।

Shri B. S. Murthy: May I know whether instructions have been sent to State Governments as to the encouragement that requires to be given to the khadi industry?

Shri P. S. Naskar: The progress made by the Sub-Committee till the end of August, 1954 was communicated to the State Governments requesting them to consider the taking of action for promoting the use of khadi in their departments.

उत्तुंग कास्मिक गवेषणा केन्द्र

*५६८. **श्री भक्त दर्शन :** क्या **प्रधान मंत्री** ११ अप्रैल, १९५५ को पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या २१३९-क के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तुंग कास्मिक गवेषणा केन्द्र की स्थापना के सम्बन्ध में डाक्टर एच० जे० भाभा और अन्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई रिपोर्ट पर कोई अन्तिम निश्चय किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो क्या स्वीकृत योजना की एक प्रति लोक-सभा पटल पर रखी जायेगी?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) और (ख). अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि इस रिसर्च सेंटर को स्थापित करने के बारे में भी कोई प्रगति हुई है या यह विचार छोड़ दिया गया है?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी नहीं, उनकी तजवीज़ यह थी कि एक ऐसा केन्द्र खिलनमर्ग में, जो गुलमर्ग के ऊपर है, कायम किया जाय लेकिन कायम करने के लिये इस बात की आवश्यकता थी कि वहां तक पहुंचने के लिये एक रोप वे बनाई जाये और चूंकि वे मामला सारा रोप वे बनाने के सिलसिले में अटका हुआ है कि कैसे वह बन सकता है, क्या खर्च होता है और कौन बनायेंगे। उसके बारे में टेंडर्स मंगाये गये थे और २, ३ फर्म्स ने रोप वे बनाने के लिए टेंडर्स भेजे हैं और उन पर गौर हो रहा है।